

गगनयान मशिन के लिये ह्यूमनॉइड स्कल

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन \(Indian Space Research Organisation- ISRO\)](#) की त्रिवेणीपुरम इकाई ने [गगनयान मशिन](#) पर ह्यूमनॉइड खोपड़ी/ह्यूमनॉइड स्कल के डिज़ाइन को अंतिम रूप दिया।

- इसकी माप **200 ममी x 220 ममी** और वजन **800 ग्राम** है। यह **उच्च शक्ति वाले एल्यूमीनियम मशिन धातु** से बना है, जो दबाव और कंपन को सहन कर सकता है।
- वर्ष 2025 में गगनयान मशिन के लिये अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने से पहले इसरो अंतरिक्ष यान की सुरक्षा का परीक्षण करने हेतु एक मानव रोबोट [व्योममत्तिर](#) को अंतरिक्ष में भेजेगा।
- व्योममत्तिर मानव शरीर के **ऊपरी भाग जैसा होगा**, जिसमें गतशील भुजाएँ, **चेहरा और गर्दन होगी, जो मानव जैसे कार्य करने** तथा अंतरिक्ष यात्रा के प्रभावों का आकलन करने के लिये सेंसर से लैस होगा।

गगनयान मशिन: यह **तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (Three Indian Astronauts)** को **तीन दिनों** के लिये पृथ्वी की सतह से लगभग **400 कमी दूर अंतरिक्ष** में ले जाएगा।

- भारतीय वायु सेना के पायलट प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और शुभांशु शुकला को गगनयान मशिन के लिये चुना गया है।
- शुभांशु शुकला को वर्ष 2025 में ISRO-NASA की संयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के लिये चुना गया है, जो उन्हें [अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन](#) तक ले जाएगी।

अधिक पढ़ें: [गगनयान](#)